History

⇒ थानेश्वर का पुष्यभूति वंश (वर्धन वंश)
Pushybhuti dynasty of Thaneshwar (Vardhan dynasty)

↳ संस्थापक (founder) → पुष्यभूति (Pushybhuti)

↓

जाति (caste) → वैश्य (Vaishya)

सामान्त (Samant) → गुप्तों का

↓

हूणों के आक्रमण के बाद पुष्यभूति ने स्वयं को आजाद घोषित किया

Note:- कुछ इतिहासकारों (Historians) → पुष्यभूति को 'अवन्तिवर्मन' का सामान्त बताया।

↓

King → मौखरिवंश (Maukhari dynasty)

⇒ पुष्यभूति वंश में
in the Pushyabhuti dynasty →
- नरवर्धन (Narvardhan)
- आदित्यवर्धन (Aditya Vardhan)
- प्रभाकर वर्धन (Prabhakar Vardhan)

↓

बच्चे (Children)

(i) राज्यवर्धन (Rajyavardhan)
(ii) राज्यश्री (Rajyashree)
(iii) हर्षवर्धन (Harshvardhan)

⇒ राज्यश्री का विवाह - मौखरि शासक (ग्रहवर्मा) के साथ
Marriage of Rajyashree with Maukhari Ruler Grahvarma.

⇒ शशांक एवं देवगुप्त ने मौखरि शासक → ग्रहवर्मा की हत्या की।
Shashank and Devgupta murderd to Maukhari Ruler- Grahvarma.

∴ राज्यवर्धन ने 'देवगुप्त' की हत्या की (Rajyavardhan murdered Devgupta)

∴ शशांक ने राज्यवर्धन की हत्या की।

∴ हर्षवर्धन ने 'शशांक' ही हत्या की।

↳ गौड़ शासक (Good ruler) - पं. बंगाल West Bengal

↳ जिसने बौद्धि वृक्ष (पीपल) कटवाया

हर्षवर्धन Harshvardhan

(606 ई० - 647 ई०)

थानेश्वर की गद्दी → 16 वर्ष (Years)
Throne of Thaneshwar

↳ हुवेनसांग ने हर्षवर्धन को शिलादित्या कहा
Hiven Tsang called Harshvardhan Shiladitya.

∴ हर्षवर्धन की उपाधियाँ
Titles of Harshvardhan
1. परमभट्टारक (Parambhattarak)
2. महाराजाधिराज (Maharajadhiraj)
3. चक्रवर्ती (Chakrawarti)
4. परमेश्वर (Parmeshwar)

⇒ हर्षवर्धन ने अपनी राजधानी (Capital) → कन्नौज (Kannauj)
↳ पहले - थानेश्वर

↓

5 राज्य - उत्तर भारत (North India)

(i) पंजाब
(2) कन्नौज
(3) गौड़ (बंगाल)
(4) मिथिला (बिहार)
(5) उड़ीशा

शासन (Rule) → हर्षवर्धन

↓

पुत्री (Daughter) की शादी Marriage →
वल्लभी शासक - ध्रुवसेन II
Vallabhi ruler - Dhruvasen II

⇒ पुलकेशिन II ने हर्षवर्धन को नर्मदा नदी किनारे पर पराजित किया 618 ई०

⇓

वर्णन (Mention) — ऐहोल प्रशस्ति (Aihole Prashasti)

⇒ हर्ष ने कश्मीर पर आक्रमण किया वहाँ से भगवान बुद्ध का दांत लाकर संघाराम में स्थापित किया।

कन्नौज

Harsh attacked Kashmir and installed the tooth of Lord Buddha in Sanghaaram.

∴ हर्षवर्धन की मृत्यु → 647 ई०

Death of Harshvardhan